আলোচনাচক্রে অংশগ্রহণের জন্য নিবন্ধীকরণ বাবদ অনুদান :

- অধ্যাপক : ৮০০ টাকা
- গবেষক : ৪০০ টাকা
- ছাত্রছাত্রী : ২০০ টাকা

আলোচনাচক্রে অংশগ্রহণের জন্য নিবন্ধীকরণ বাবদ অনুদান জমা দিতে হবে :

Beneficiary Name - **Kulti College**
Bank Name - **UCO Bank**
Branch - **Kulti**
A/C No.- **04080100009149**
IFSC Code - **UCBA0000408**

রেজিস্ট্রেশন লিঙ্ক –

https://docs.google.com/forms/d/e/FAIpQLSfdoVadGgh14XWSF6GjXQjDj9oMZVz8ZK2zvN7O5i7rkPgQ/viewform

আয়োজক উপসমিতি –

সভাপতি :
ড. সুপ্রিয় চক্রবর্তী, অধ্যক্ষ, কুলটি কলেজ

সমন্বয়কারী :
ড. অরবিন্দ মিশ্র,
আভ্যন্তরীণ মূল্যমান নির্ধারক কমিটি (IQAC), কুলটি কলেজ

যুগ্ম আহ্বায়ক:
ড. প্রতিভা প্রসাদ
ড. গুলনাজ বেগম
বরুণ সীট
ড. সোমনাথ সিন্‌হা

সদস্য:
তন্দ্রা মণ্ডল
সুতপা প্রতিহার
নমিতা মিশ্র
তেজেশ্বর প্রসাদ নোনিয়া

বিশেষ প্রয়োজনে যোগাযোগের জন্য -
ড. প্রতিভা প্রসাদ (হিন্দি বিভাগ)– ৮২৫০৪২৫০১১
ড. গুলনাজ বেগম (হিন্দি বিভাগ)– ৮৩৮৯৮৪৪৩৭৩
বরুণ সীট (বাংলা বিভাগ) –৭০০১০০৮৯২২
ড. সোমনাথ সিন্‌হা (বাংলা বিভাগ)–৯৪৩৪৬৫০৫৮৫

পংজীকরণ শুল্ক :
- প্রোফেসর : 800 রুপয়ে
- শোধকর্তা : 400 রুপয়ে
- ছাত্র-ছাত্রাঔं : 200 রুপয়ে

संगोष्ठी में भाग लेने हेतु राशि जमा देनी होगी :
Beneficiary Name - **Kulti College**
Bank Name - **UCO Bank**
Branch - **Kulti**
A/C No.- **04080100009149**
IFSC Code - **UCBA0000408**

पंजीकरण लिंक :-

https://docs.google.com/forms/d/e/FAIpQLSfdoVadGgh14XWSF6GjXQjDj9oMZVz8ZK2zvN7O5i7rkPgQ/viewform

आयोजक उपसमिति :

सभापति-
डॉ. सुप्रिय चक्रवर्ती, अध्यक्ष, कुल्टी कॉलेज
समन्वयक-
डॉ. अरविन्द मिश्र,
आंतरिक मूल्यांकन समिति (IQAC), कुल्टी कॉलेज

संयुक्त संयोजक
डॉ. प्रतिभा प्रसाद
डॉ. गुलनाज बेगम
वरुण सीट
डॉ. सोमनाथ सिन्हा

सदस्य
तंद्रा मंडल
सुतपा प्रतिहार
नमिता मिश्रा
तेजेश्वर प्रसाद नोनिया

विशेष आवश्यकता के लिए संपर्क करें -
डॉ. प्रतिभा प्रसाद (हिन्दी विभाग) - 8250425011
डॉ. गुलनाज बेगम (हिन्दी विभाग) - 8389844373
बरुण सीट (बंगला विभाग) - 7001008922
डॉ. सोमनाथ सिन्हा (बंगला विभाग) - 9434650585

একদিবসীয় জাতীয় আলোচনাচক্র
এক দিবসীয় রাষ্ট্রীয় সংগোষ্ঠী

সমকালীন সাহিত্য : সমাজ-সংস্কৃতি
समकालीन साहित्य : समाज-संस्कृति

25 শে এপ্রিল, 2023 (মঙ্গলবার)
25 अप्रैल, 2023 (मंगलवार)

স্থান: কুলটি কলেজ, কুলটি, পশ্চিম বর্ধমান, পশ্চিমবঙ্গ
स्थान: कुल्टी कॉलेज, कुल्टी, पश्चिम बर्दवान, पश्चिम बंगाल

আয়োজক:
বাংলা ও হিন্দি বিভাগ, কুলটি কলেজ

সহযোগিতায়:
আভ্যন্তরীণ মূল্যমান নির্ধারক কমিটি (IQAC), কুলটি কলেজ

आयोजक :
बंगला और हिंदी विभाग, कुल्टी कॉलेज

संयुक्त तत्वाधान में
आंतरिक मूल्यांकन समिति (IQAC), कुल्टी कॉलेज

বিষয় ভাবনা :

সাহিত্য ও সমাজ ওতপ্রোতভাবে জড়িত। সমাজ-সংস্কৃতিকে অবলম্বন করেই গড়ে ওঠে সাহিত্য। সমকালীন সাহিত্যও এর ব্যতিক্রম নয়। যুগ পরিবর্তনের হাত ধরে সমাজ ও সংস্কৃতিতে নানান পরিবর্তন ঘটেছে। তার প্রভাব পড়েছে সাহিত্যের বিষয় ভাবনায়। উত্তর আধুনিক সমাজ-সংস্কৃতি বৈচিত্র্যময়, ভাঙা- গড়ায় পরিপূর্ণ; রয়েছে তার নানান বাঁক। এই সমস্তকিছুরই প্রতিফলন ঘটেছে সমকালীন সাহিত্যে। সমাজ-সংস্কৃতির অভিঘাতে বৈচিত্র্যময় হয়ে উঠেছে সাহিত্যের আঙিনা। বিবিধ সামাজিক আন্দোলন, সাহিত্যিক আন্দোলনে সাম্প্রতিক সাহিত্য ধারা পূর্বের তুলনায় আরও বেশি সমৃদ্ধ হয়েছে। সমৃদ্ধময় এই সমকালীন সাহিত্যের নানা দিককে তুলে ধরাই প্রস্তাবিত আলোচনাচক্রের মূল অভিপ্রায়।

আমন্ত্রিত বক্তা :

- অধ্যাপক (ড.) দামোদর মিশ্র, উপাচার্য, হিন্দি বিশ্ববিদ্যালয়, হাওড়া, পশ্চিম বঙ্গ
- অধ্যাপক (ড.) অলোক চক্রবর্তী, বাংলা বিভাগ, বর্ধমান বিশ্ববিদ্যালয়, পশ্চিমবঙ্গ
- ড. সুভাষ চন্দ্র গুপ্ত, সহযোগী অধ্যাপক, হিন্দি বিভাগ, করিম সিটি কলেজ, জামশেদপুর, ঝাড়খণ্ড
- ড. কৌশিক দাশগুপ্ত, সহকারি অধ্যাপক, বাংলা বিভাগ, বি. বি. এম. কে বিশ্ববিদ্যালয়, ধানবাদ, ঝাড়খণ্ড

আমন্ত্রিত বক্তা :

- প্রো. (ডॉ.) দামোদর মিশ্রা; কুলাধিপতি, হিন্দী বিশ্ববিদ্যালয়, হাবড়া, পশ্চিম বংগাল
- প্রোফেসর (ডॉ.) আলোক চক্রবর্তী, বংগাল বিভাগ, বর্দবান বিশ্ববিদ্যালয়, পশ্চিম বংগাল
- ডॉ. সুভাষ চংদ্র গুপ্তা, সহায়ক প্রোফেসর, হিন্দী বিভাগ, করীম সিটী কॉলেজ, জমশেদপুর, ঝারখণ্ড
- ডॉ. কৌশিক দাসগুপ্তা, সহায়ক প্রোফেসর, বংগলা বিভাগ, বী.বী.এম.কে বিশ্ববিদ্যালয়, ধনবাদ, ঝারখংড

উপবিভাগ :

- সমকালীন সাহিত্য ও সমাজ - সংস্কৃতির আন্তঃসম্পর্ক
- সমকালীন সাহিত্য : প্রত্যাশা ও প্রাপ্তি
- সমকালীন সাহিত্য ও ভোগবাদী সমাজ
- সমকালীন সাহিত্য ও সমকামিতা
- সমকালীন সাহিত্য ও পরিবেশ
- সমকালীন সাহিত্য ও দাম্পত্য সম্পর্ক
- সমকালীন সাহিত্য ও যুব সমাজ
- সমকালীন সাহিত্য ও মানবিক মূল্যবোধ
- সমকালীন সাহিত্য ও সাম্প্রদায়িকতা
- সমকালীন সাহিত্য ও জাতীয়তাবাদ
- সমকালীন সাহিত্য ও বিবিধ সাহিত্য আন্দোলন
- সমকালীন সাহিত্য ও নারীবাদ
- সমকালীন সাহিত্য ও পোস্টমর্ডানিজম
- সমকালীন সাহিত্য ও প্রান্তিক মানুষ
- সমকালীন সাহিত্য ও কৃষক-শ্রমিক শ্রেণী
- সমকালীন সাহিত্য ও মিডিয়া
- সমকালীন সাহিত্য ও রাজনীতি

প্রবন্ধ পাঠানোর নিয়মাবলী :

- সংক্ষিপ্তসার অনধিক ৩০০ শব্দের হবে। সংক্ষিপ্তসার পাঠানোর শেষ তারিখ ১০/০৪/২০২৩।
- সংক্ষিপ্তসার Google Form এ শধুমাত্র Pdf করেই Upload করবেন।
- সংক্ষিপ্তসার ও পূর্ণ প্রবন্ধ সবক্ষেত্রেই লেখা টাইপ করবেন বাংলায় অভ্র-তে কালপুরুষ ফন্টে, হিন্দি ইউনিকোডে এবং ইংরেজি হলে Times new roman font এ। সবক্ষেত্রেই ফন্ট হবে ১২।
- সংক্ষিপ্তসার ও মূল প্রবন্ধ দুই ক্ষেত্রেই লেখকের নাম, ডেজিগনেশন, প্রতিষ্ঠানের নাম, ইমেইল আইডি ও হোয়াটস্যাপ নম্বরের উল্লেখ আবশ্যিক।
- মূল প্রবন্ধের ক্ষেত্রে শব্দ সংখ্যা হবে ২০০০ থেকে ২৫০০। তথ্যসূত্র আবশ্যিক।
- মূল প্রবন্ধ প্রেরণের শেষ তারিখ ২০/০৪/২০২৩। পাঠাতে হবে - seminarkc2023@gmail.com।
- মূল প্রবন্ধ docx. ও pdf দুই ফরম্যাটেই মেইল করতে হবে।
- প্রবন্ধটি হবে মৌলিক, অপ্রকাশিত ও গবেষণাধর্মী।

বিঃ দ্রঃ নির্বাচিত প্রবন্ধসমূহ ISBN সহ গ্রন্থাকারে প্রকাশিত হবে।

বিষয় চিংতন :

সমকালীন সাহিত্য का सीधा संबंध वर्तमान समय से जुड़ाव है। साहित्य, समाज और संस्कृति को अपनाकर विकसित होता है। अपने समय की महत्वपूर्ण समस्याओं से मुठभेड़ करना ही समकालीनता है। समाज एवं संस्कृति में निरंतर परिवर्तन होता चलता है, जिससे समकालीनता के पर्याय बदलते चलते हैं। समकालीनता को प्रासांगिकता और आधुनिकता से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। हमारा समकालीन साहित्य भी इससे अछूता नहीं है। अतः आज की सम - विषम परिस्थितियों का साक्षात्कार बिना किसी पूर्वाग्रह के पूरी ईमानदारी के साथ चित्रित करना ही समकालीन साहित्य की उपादेयता है। समकालीन साहित्य, समाज एवं संस्कृति पर व्यापकता के साथ विचार करना ही इस संगोष्ठी का मुख्य उद्येश्य है। इस संगोष्ठी द्वारा छात्र, शोधार्थी एवं शिक्षक/ शिक्षिकाओं को एक मंच प्रदान करने की कोशिश की गई है, ताकि समकालीन साहित्य के संदर्भ मे दिए गए उपविषयों पर वे अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकें।

उपविभाग :

- समकालीन साहित्य और समाज-संस्कृति का अंतःसंबंध
- समकालीन साहित्य : चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
- समकालीन साहित्य और उपभोक्तावादी समाज
- समकालीन साहित्य और समलैंगिकता
- समकालीन साहित्य और पर्यावरण
- समकालीन साहित्य और वैवाहिक संबंध
- समकालीन साहित्य और युवा समाज
- समकालीन साहित्य और मानवीय मूल्य
- समकालीन साहित्य और विभिन्न साहित्यिक आंदोलन
- समकालीन साहित्य और राष्ट्रवाद
- समकालीन साहित्य और सांप्रदायिकता
- समकालीन साहित्य और नारीवाद
- समकालीन साहित्य और उत्तर आधुनिकतावाद
- समकालीन साहित्य और हाशिए का समाज
- समकालीन साहित्य और किसान-मज़दूर वर्ग
- समकालीन साहित्य और मीडिया
- समकालीन साहित्य और राजनीति

आलेख भेजने हेतु सूचनाएं :

- शोध सार 300 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए।शोध सार भेजने की अंतिम तिथि 10/04/2023 है।
- शोध सार Google Form में केवल pdf फॉन्ट में ही अपलोड करना है।
- शोधालेख / शोधसार यूनिकोड में हो, जिसका फ़ॉन्ट साइज़ 12 होना चाहिए ।
- शोधालेख की सॉफ्ट कॉपी Doc./Pdf में प्रेषित करें ।
- शोधालेख शब्द संख्या 2000-2500 के मध्य होनी चाहिए।
- शोधालेख शीर्षक एवं संदर्भ सूची के साथ होनी चाहिए। शोधालेख भेजने की अंतिम तिथि 20/04/2023 है।
- आलेख में लेखक का नाम, पदनाम, ईमेल आईडी और व्हाट्सएप नंबर अनिवार्य रूप से उल्लेखित होने चाहिए।
- शोधालेख seminarkc2023@gmail.com पर संप्रेषित करें।
- बंगला- अभ्र कालपुरुष फॉन्ट, हिंदी-यूनिकोड और इंग्लिश - टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट में होनी चाहिए।
- आलेख पूरी तरह से मौलिक होनी चाहिए।

नोट : चयनित आलेख ISBN के साथ ग्रंथ रूप में प्रकाशित किए जाएंगे।